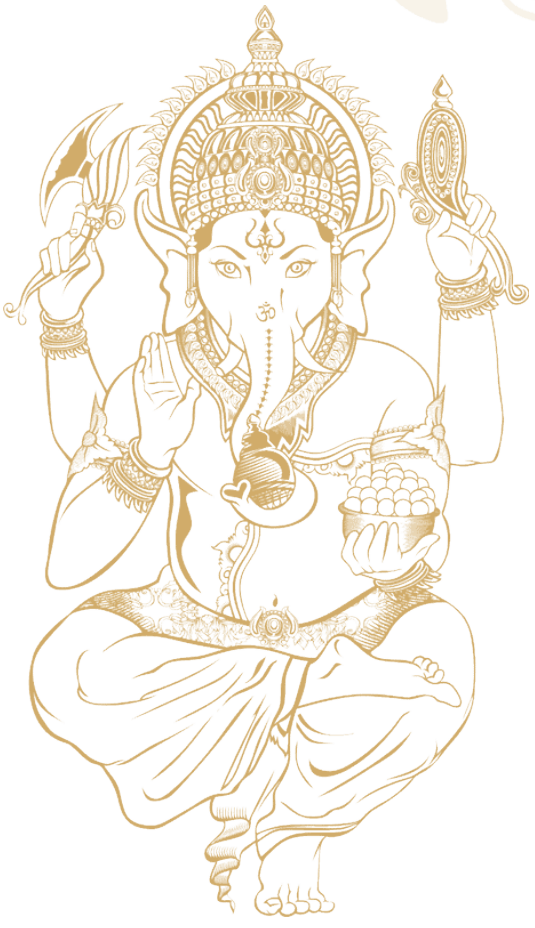

naitik tiwari

12 Jan 2014

01:30 AM

Deoria

Model: web-freekundliweb

Order No: 120934403

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11-12/01/2014**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**01:30:00 घंटे**
इष्ट	46:52:54 घटी
स्थान	**Deoria**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:31:00 उत्तर
रेखांश	83:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:05:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:35:12 घंटे
वेलान्तर	-00:07:49 घंटे
साम्पातिक काल	09:00:11 घंटे
सूर्योदय	06:44:50 घंटे
सूर्यास्त	17:20:45 घंटे
दिनमान	10:35:55 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	27:27:58 धनु
लग्न के अंश	15:50:09 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शुक्ल
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ए-एकलव्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	15:50:09	313:30:32	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
सूर्य			धनु	27:27:58	01:01:07	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			वृष	09:46:05	12:05:58	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल			कन्या	22:09:39	00:23:55	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
बुध		अ	मक	05:50:03	01:40:14	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
गुरु	व		मिथु	20:36:04	00:08:00	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र	व	अ	धनु	26:56:57	00:36:53	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	सम राशि
शनि			तुला	27:13:01	00:04:41	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	उच्च राशि
राहु	व		तुला	10:38:04	00:04:55	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		मेष	10:38:04	00:04:55	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
हर्ष			मीन	14:48:12	00:01:17	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	---
नेप			कुंभ	09:28:25	00:01:48	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
प्लूटो			धनु	17:34:50	00:02:05	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	---
दशम भाव			कर्क	18:31:45	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:03:22

लग्न-चलित

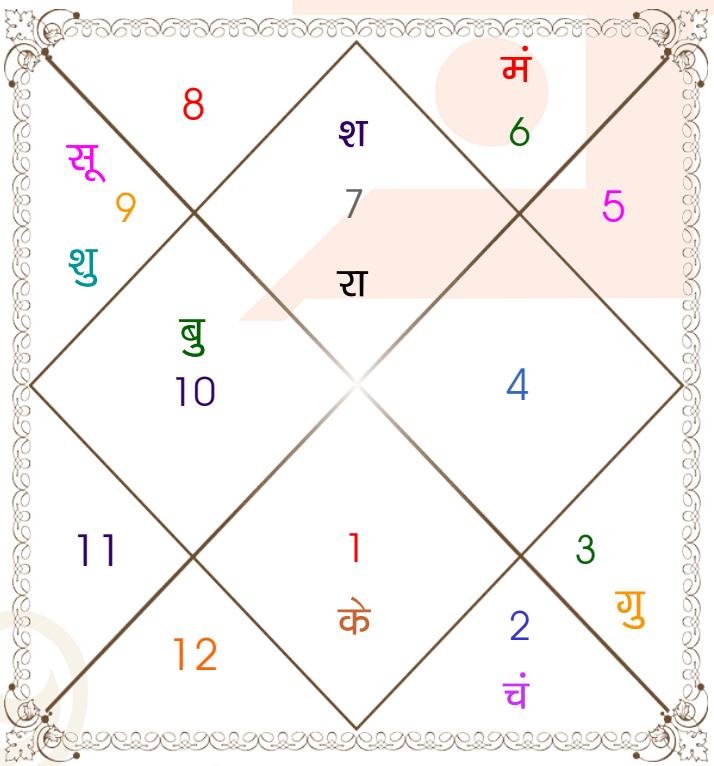

चन्द्र कुंडली

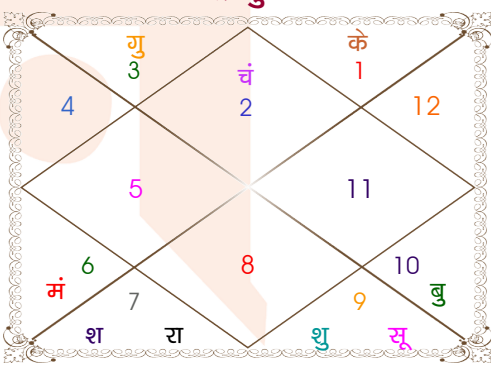

नवमांश कुंडली

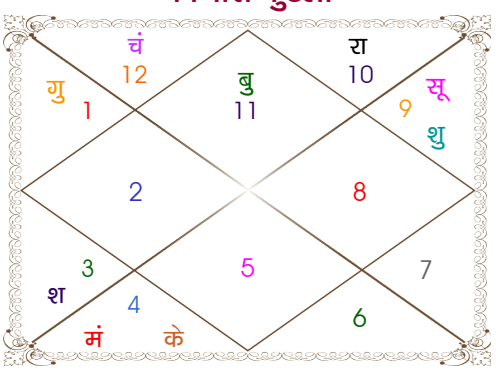

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 1 मास 7 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
12/01/2014		19/02/2014		19/02/2024		19/02/2031		18/02/2049	
19/02/2014		19/02/2024		19/02/2031		18/02/2049		18/02/2065	
	00/00/0000	चंद्र	20/12/2014	मंगल	17/07/2024	राहु	01/11/2033	गुरु	09/04/2051
	00/00/0000	मंगल	21/07/2015	राहु	05/08/2025	गुरु	27/03/2036	शनि	20/10/2053
	00/00/0000	राहु	19/01/2017	गुरु	12/07/2026	शनि	01/02/2039	बुध	26/01/2056
	00/00/0000	गुरु	21/05/2018	शनि	21/08/2027	बुध	20/08/2041	केतु	01/01/2057
	00/00/0000	शनि	20/12/2019	बुध	17/08/2028	केतु	08/09/2042	शुक्र	02/09/2059
	00/00/0000	बुध	21/05/2021	केतु	13/01/2029	शुक्र	07/09/2045	सूर्य	20/06/2060
	00/00/0000	केतु	20/12/2021	शुक्र	15/03/2030	सूर्य	02/08/2046	चंद्र	20/10/2061
	12/01/2014	शुक्र	21/08/2023	सूर्य	21/07/2030	चंद्र	01/02/2048	मंगल	26/09/2062
शुक्र	19/02/2014	सूर्य	19/02/2024	चंद्र	19/02/2031	मंगल	18/02/2049	राहु	18/02/2065

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
18/02/2065		19/02/2084		19/02/2101		20/02/2108		20/02/2128	
19/02/2084		19/02/2101		20/02/2108		20/02/2128		13/01/2134	
शनि	22/02/2068	बुध	18/07/2086	केतु	19/07/2101	शुक्र	22/06/2111	सूर्य	09/06/2128
बुध	01/11/2070	केतु	15/07/2087	शुक्र	18/09/2102	सूर्य	21/06/2112	चंद्र	08/12/2128
केतु	11/12/2071	शुक्र	15/05/2090	सूर्य	24/01/2103	चंद्र	20/02/2114	मंगल	15/04/2129
शुक्र	10/02/2075	सूर्य	21/03/2091	चंद्र	25/08/2103	मंगल	22/04/2115	राहु	10/03/2130
सूर्य	23/01/2076	चंद्र	20/08/2092	मंगल	21/01/2104	राहु	22/04/2118	गुरु	27/12/2130
चंद्र	23/08/2077	मंगल	17/08/2093	राहु	07/02/2105	गुरु	21/12/2120	शनि	09/12/2131
मंगल	02/10/2078	राहु	05/03/2096	गुरु	14/01/2106	शनि	20/02/2124	बुध	15/10/2132
राहु	08/08/2081	गुरु	11/06/2098	शनि	23/02/2107	बुध	21/12/2126	केतु	19/02/2133
गुरु	19/02/2084	शनि	19/02/2101	बुध	20/02/2108	केतु	20/02/2128	शुक्र	13/01/2134

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 1 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।